Lecture-1

Topic-Meaning & Definition of Political Parties

Degree-I(Sub.)

Date-25-6-2021

By Rahul Kumar Jha
Dept.of Pol.Science

राजनीतिक दल की अर्थ, परिभाषा तथा प्रकृति
(Meaning, Definition & Nature of political Parties)

वर्तमान के लोकतांत्रिक प्रणाली में राजनीतिक दलों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। राजनीतिक दल ही जनता के नाम राज्य के कार्यों का संचालन करते हैं। इसीलिए राजनीतिक दलों को अदृश्य सरकार की भी संज्ञा दी गई है। राजनीतिक दलों की अनुपस्थिति में हम प्रजातंत्र की सफलता की उम्मीद नहीं कर सकते।

साधारण शब्दों में व्यक्तियों के किसी समूह को, जो एक समान उद्देश्य की प्राप्ति हेतु कार्य करता है, दल कहा जाता है। यदि उस दल-विशेष का उद्देश्य राजनीतिक है, तो उसे राजनीतिक दल कहते हैं।

बर्क के अनुसार - "राजनीतिक दल ऐसे व्यक्तियों का समूह है जो किसी राष्ट्रीय हित की पूर्ति के लिए किसी एक विशिष्ट सिद्धांत को आधार मानकर, जिसमें वे सहमत हों, अपना संगठन करते हैं।"

गैटेल के अनुसार - "राजनीतिक दल प्रायः संगठित नागरिकों का एक ऐसा समुदाय है, जो राजनीतिक इकाई की तरह कार्य करता है।"

मैकिवर के अनुसार - संगठित नागरिकों के उस समूह को राजनीतिक दल कहा जाता है, जिसकी स्थापना किसी विशेष सिद्धांत या नीति के समर्थन के लिए हुई हो।

गिलक्राइस्ट के अनुसार - "राजनीतिक दल नागरिकों के उस समूह को कहते हैं, जिसमें सभी सदस्यों के राजनीतिक विचार एक से होते हैं।"

उपर्युक्त परिभाषाएँ पूर्ण नहीं हैं, क्योंकि आधुनिक मूल्य-मुक्त राजनीतिशास्त्र में ~~इन~~ इन परिभाषाओं को स्वीकारना मुश्किल है, क्योंकि आधुनिक राजनीतिक दल सचेतना के साथ राष्ट्रीय हित का सम्पादन नहीं करते। वे केवल अस्पष्ट रूप से राजनीतिक हित का समर्थन करते हैं। राजनीतिक दल के लोग स्पष्टतः एकताबद्ध नहीं रहते और ~~अंदर~~ उनके अंदर भी हितों का संघर्ष चलता रहता है।

उपर्युक्त तथ्यों के संदर्भ में राजनीतिक दल विवाद के विषय हो गए हैं कि वस्तुतः राजनीतिक दल क्या है। इस संदर्भ में न्यूमैन ने कहा है - राजनीतिक दल समाज के उन क्रियाशील राजनीतिक लोगों के सुनियोजित संगठन का नाम है जो सरकार की शक्ति पर नियंत्रण करना चाहते हैं तथा जो विभिन्न विचारधाराओं पर आधारित तत्संबंधी उद्देश्यों पर संगठित समूहों के साथ सरकार की शक्ति प्राप्त करने के लिए प्रतियोगी रत रहते हैं

इसी तरह आधुनिक संदर्भों को ध्यान में रखकर रेनी तथा केण्डल के अनुसार - "राजनीतिक दल उन संगठित एवं स्वायत्त समूहों को कहते हैं जो अपने प्रत्याशियों का नामांकन चुनाव के लिए इस उद्देश्य से करते हैं कि उनके माध्यम से सरकारी नीतियों एवं कर्मचारियों पर नियंत्रण स्थापित हो सकेगा"

यह परिभाषा सचमुच सिर्फ जनतंत्र में ही नहीं, वरन अन्य राजनीतिक पद्धतियों में भी राजनीतिक दलों की प्रकृति की कल्पना करती है। केण्डल की परिभाषा से जनतंत्रीय तथा अन्य राजनीतिक पद्धतियों में अवस्थित दलों की प्रकृति तक में होनेवाले अंतरों की जानकारी मिल जाती है। यह परिभाषा सभी परिभाषाओं में सर्वोत्तम तथा आधुनिक परिस्थितियों में सटीक है